श्री अन्न समाचार पत्र

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research
हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 258 अप्रैल, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव (कृअनुशि विभाग) एवं महानिदेशक-भाकृअनुप, नई दिल्ली के द्वारा श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए भाश्रीअनुसं किउसं एग्रो मार्ट तथा श्री अन्न मशीनीकरण केंद्र का शुभारंभ

डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव (कृअनुशि विभाग) और महानिदेशक (भाकृअनुप) ने भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद में भाश्रीअनुसं किउसं एग्रो मार्ट का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में पद्म भूषण डॉ. आर एस परोदा, भूतपूर्व सचिव (कृअनुशि विभाग) और महानिदेशक (भाकृअनुप), डॉ. राकेश चंद्र अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भाकृअनुप और कार्यवाहक निदेशक, राकृअनुप्रअ, डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, श्री आसिफ इकबाल, परियोजना प्रबंधक, आईसीआईसीआई फाउंडेशन, भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक, किउसं-परियोजना दल उपस्थित थे।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के तकनीकी सहयोग से किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) द्वारा विकसित मूल्यवर्धित श्री अन्न उत्पादों के प्रदर्शन तथा प्रचारार्थ इस एग्रो-मार्ट की स्थापना की गई। इस एग्रो -मार्ट का उद्देश्य किसान उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और ब्रांडिंग को बढ़ावा देकर किउसं की बाज़ार उपस्थिति को बढ़ाना तथा श्री अन्न किसानों की लाभप्रदता में वृद्धि करना है।

इस अवसर पर डॉ. सी तारा सत्यवती ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और ओडिशा में श्री अन्न-आधारित किउसं को मज़बूत करने हेतु भाश्रीअनुसं के प्रयासों पर प्रकाश डाला। किउसं परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. संगप्पा और डॉ. के श्रीनिवास बाबू ने भाश्रीअनुसं द्वारा अपने किउसं श्री अन्न मॉडल के माध्यम से अपनाई गई विपणन कार्य-नीतियों को रेखांकित किया।

डॉ. मांगी लाल जाट ने किसान समूहों (किउसं) की सहायता से श्री अन्न प्रसार और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की पहल की सराहना की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भाश्रीअनुसं किउसं एग्रो मार्ट, किउसं और किसानों को उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा, जिससे बाज़ार में उनकी उपस्थिति तथा आय सृजन में सुधार होगा।

डॉ. जाट ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और ओयूएटी, भुवनेश्वर द्वारा स्थापित श्री अन्न मशीनीकरण केंद्र का भी उद्घाटन किया। उन्होंने श्रम निर्भरता को कम करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने एवं सतत श्री अन्न खेती पद्धतियों को बढ़ावा देने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की पहल से विपणन व मशीनीकरण में प्रमुख कमियों को दूर करके श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को उल्लेखनीय रूप से मज़बूत करने की आशा है। श्री अन्न उत्पादन को बढ़ावा देने और श्री अन्न की गहाई तथा प्रसंस्करण में किसान महिलाओं के श्रम को कम करने के लिए टीएसपी योजना के अंतर्गत भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं आदिवासी क्षेत्रों में ऐसी इकाइयां स्थापित करेगा।

माननीय कृषि मंत्री, झारखंड, श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की का दौरा

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, माननीय कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री, झारखंड ने 30 अप्रैल 2025 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। माननीय मंत्री ने डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के साथ श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई का दौरा किया। डॉ. तारा सत्यवती ने उन्हें श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित श्री अन्न आधारित प्रौद्योगिकियों, संपादित अनुसंधान गतिविधियों, प्राथमिक प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन तकनीकों की जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, किउसं-परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. संगप्पा और डॉ. श्रीनिवास बाबू ने जमीनी स्तर पर श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में भाश्रीअनुसं किउसं की भूमिका के बारे में बताया। इस दौरे के दौरान झारखंड में सहयोग और श्री अन्न संवर्धन के सुअवसरों पर प्रकाश डाला गया।

ओडिशा के किसानों के लिए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 1 - 4 अप्रैल 2025 के दौरान ओडिशा के नुआपाड़ा के 35 किसानों के लिए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण खेती से खाने तक श्री अन्न पारिस्थितिकी प्रणालियों पर गहन ज्ञान प्रदान करने हेतु तैयार किया गया, जिसमें श्री अन्न की खेती की तकनीक एवं कटाई उपरांत कार्यों के पहलू शामिल थे। कार्यक्रम ने गैर-रागी श्री अन्न पर विशेष ध्यान देने के साथ श्री

अन्न में उन्नत प्रौद्योगिकियों का पता लगाने का अवसर प्रदान किया। विशेषज्ञों के साथ परस्पर चर्चाओं, श्री अन्न प्रदर्शन भूखंडों के प्रक्षेत्र दौरे तथा प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों में व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, किसानों को श्री अन्न के बेहतर कृषि कार्यों पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। कार्यक्रम ने श्री अन्न किसानों की उत्पादकता एवं आय को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक खेती में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को एकीकृत करने के महत्व पर बल दिया।

ओडिशा के किसानों का ज्ञानवर्धन दौरा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने 22 - 25 अप्रैल, 2025 के दौरान भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में अंगुल जिले (ओडिशा) के किउसं, किसानों तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियों पर एक ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन पर जागरूकता तथा ज्ञान प्रदान करना था। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने श्री अन्न खेती के उन्नत तरीकों, कटाई उपरांत प्रसंस्करण और मूल्यवर्धित उत्पाद विकास पर परस्पर वार्ता सत्र आयोजित किए। श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई - शताब्दी ऑर्गेनिक्स (बाजरा पास्ता बनाना) और जीएमआरके फूड्स (बाजरा चिक्की बनाना) के ज्ञानवर्धन दौरे के माध्यम से प्रतिभागियों को श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों तथा मूल्य वर्धित उत्पादों का अनुभव प्रदान किया गया। किउसं-नेस्ट के डॉ. संगप्पा, डॉ. रफी, सुश्री मेघना और सुश्री मोनालिशा ने इस दौरे का समन्वय किया।

संगारेड्डी जिले में श्री अन्न पर किसानों की जागरूकता-सह-संवाद

किसान प्रथम परियोजना (एफएफपी) के अंतर्गत 24 अप्रैल, 2025 को संगारेड्डी जिले के न्यालकल मंडल के चल्की गांव में श्री अन्न पर एक पूर्व-मौसम जागरूकता-सह-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपने खेतों पर परियोजना के हस्तक्षेपों का परीक्षण करने के लिए चयनित 50 से ज्यादा किसानों ने इसमें भाग लिया। उन्हें रबी तथा ग्रीष्म के दौरान किए जाने वाले परियोजना के प्रक्षेत्र परीक्षणों और गतिविधियों की योजना के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें गंगापुर गांव में स्थापित श्री अन्न पर प्रसंस्करण सुविधा के लाभों के बारे में भी बताया गया। तत्पश्चात, उन्होंने परियोजना के अंतर्गत स्थापित रसोई उद्यानों का दौरा किया तथा स्थानीय किस्मों की अपेक्षा पीडक व रोग मुक्त अच्छी गुणता युक्त सब्जियों की सराहना की।

परियोजना के हस्तक्षेपों से किसानों की आजीविका की स्थिति में सुधार का आकलन हेतु सामाजिक, प्रत्यक्ष, वित्तीय, मानवीय व प्राकृतिक पूंजी के संदर्भ में आंकड़े और साक्षात्कार की सहायता से उनकी प्रतिक्रिया एकत्र की गई। इस कार्यक्रम में परियोजना स्टाफ, सुश्री वी प्रियंका, वरिष्ठ शोध अध्येता, श्री भगत, एफए, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, चल्की -किउसं के पदाधिकारी, श्री राजेश, श्री राजप्पा और ग्राम अधिकारियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम डॉ. राजेंद्र आर चापके, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रधान अन्वेषक, किप्रप, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के छात्रों का दौरा

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के स्नातक कृषि के 135 छात्रों के समूह ने 1 अप्रैल 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। सुश्री मेघना ने छात्रों को संस्थान में स्थापित विभिन्न सुविधाओं, जैसे श्री अन्न खेतों तथा प्राथमिक प्रसंस्करण इकाई का दौरा कराया। डॉ. रफी ने श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया तथा श्री अन्न प्रसंस्करण मशीनों की संचालन प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। डॉ. संगप्पा ने श्री अन्न उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित नवीन श्री अन्न उत्पादन तकनीकों, आधुनिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियों पर विस्तार से बताया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को श्री अन्न अनुसंधान, खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में नवीनतम प्रगति से परिचित कराना था। इस दौरे का समन्वय डॉ. संगप्पा और किउसं-नेस्ट की सुश्री मेघना ने किया।

निम्समे के प्रशिक्षार्थियों हेतु ज्ञानवर्धन दौरा

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) के प्रतिभागियों ने एसईआरपी के सहायक परियोजना प्रबंधकों और सामुदायिक समन्वयकों के लिए आयोजित ज्ञानवर्धन दौरे कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 9 तथा 23 अप्रैल 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। प्रतिभागियों को विभिन्न संस्थागत गतिविधियों और भाश्रीअनुसं में जारी अनुसंधान पहलों से अवगत कराया गया, जो सतत श्री अन्न की खेती, मूल्यवर्धन एवं बाजार संबंधों पर केंद्रित थे। उन्हें श्री अन्न के खेतों और श्री अन्न फसल कैफेटेरिया में अपनाई गई उन्नत श्री अन्न उत्पादन तकनीकों के बारे में बताया गया। प्रतिभागियों ने प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों का भी दौरा किया और श्री अन्न प्रसंस्करण के लिए आवश्यक सफाई, ग्रेडिंग, डीहलिंग और पिसाई प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया ।

ओडिशा के किसानों का दौरा

ओडिशा में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत तकनीकों पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, ओडिशा के किसानों के समूह ने 21 अप्रैल 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। किसानों को जलवायु-अनुकूल किस्मों और कम लागत वाली कृषि तकनीकों सहित श्री अन्न की खेती की जानकारी दी गई। उन्होंने श्री अन्न प्रशिक्षण इकाई में श्री अन्न के प्राथमिक प्रसंस्करण के प्रत्यक्ष प्रदर्शनों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और उत्पादकता एवं मूल्यवर्धन बढ़ाने हेतु किसानों को स्थायी तकनीकों से लैस करना था। कृषि लचीलापन और लाभप्रदता में सुधार के लिए चर्चा के दौरान तिलहन खेती के साथ-साथ श्री अन्न-आधारित प्रणालियों को एकीकृत करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। किउसं नेस्ट दल के श्री प्रशांत और सुश्री मेघना ने इस दौरे का समन्वय किया।

जय जवान किसान प्रतिभागियों का दौरा

जय जवान किसान कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, 32 पूर्व सैनिकों के समूह ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं हैदराबाद का दौरा किया, यहां उन्हें संस्थान की श्री अन्न प्रसंस्करण इकाइयों और एग्रोमार्ट, किउसं के संचालन, विपणन संबंधों और मूल्य-संवर्धन तकनीकों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान किया गया। किउसं-नेस्ट के डॉ. रफी ने भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित किउसं गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और आंध्र प्रदेश में किउसं के साथ उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों और सहयोग के अवसरों के बारे में बताया। पूर्व सैनिकों ने श्री अन्न की प्राथमिक प्रसंस्करण गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस ज्ञानवर्धक दौरे ने प्रतिभागियों को सेवानिवृत्त परवर्ती जीवन में स्थायी आजीविका के विकल्प के रूप में श्री अन्न आधारित कृषि व्यवसाय उपक्रमों के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान आत्मनिर्भरता, ग्रामीण उद्यमिता तथा पोषण एवं आर्थिक सुरक्षा में श्री अन्न की भूमिका पर बल दिया गया।

बैठकों एवं सम्मेलनों में निदेशक, भाश्रीअनुसं की सहभागिता

कार्मिक का नाम	बैठक / कार्यशाला आदि का शीर्षक (लेख प्रस्तुती की स्थिति में, लेख का शीर्षक)	आयोजक	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	"कृषि-नवाचार और कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा" पर नवप्रवर्तक बैठक में "नवाचार को आगे बढ़ाना: नवाचार हेतु तकनीकी राह का मार्गदर्शन" पर व्याख्यान	भाकृअनुप-एनआईआरसीए, राजमुंदरी	प्रत्यक्ष	08.04.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	"पूर्वोत्तर भारत के वाइब्रेंट गांवों में कुशल तथा सतत कृषि उद्यमिता के लिए किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) को मजबूत बनाने" पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला और हितधारकों की बैठक	कृषि महाविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, तवांग, अरुणाचल प्रदेश	प्रत्यक्ष	18-19 अप्रैल 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	"कृषि में उद्यमिता विकास के लिए भावी युवाओं की तैयारी पर विशेषज्ञ परामर्श" बैठक	एनएएएस, नई दिल्ली	ऑनलाइन	22.04.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन (बीएचईएस) 2025	महिंद्रा विश्वविद्यालय, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	24.04.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	सहयोगात्मक अनुसंधान पहल के लिए शारदा विश्वविद्यालय और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के आगंतुकों के साथ चर्चा	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	-	28.04.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	हार्टफुलनेस दिवस पर बैठक	हार्टीकल्चर नेचुरल प्रोडक्ट्स (एचएनपी), कान्हा शांति वनम, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	29.04.2025

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053 दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा
डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुतुमूरु रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in